विषय सूची

सत्र–8 (भाग–01)   शुक्रवार, 22 फरवरी, 2019 / 3 फाल्गुन, 1940 (शक)   अंक–96

1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1–2
2.	शोक संवेदना	4–12
	1. पुलवामा हमले में शहीद सीआरपीएफ जवानों के प्रति;	
	2. दिल्ली में अग्नि दुर्घटना के मृतकों के प्रति	
3.	माननीय उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा	13–15
4.	वित्तीय समितियों के लिए निर्वाचन	16–17

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र–8 (भाग–01)   शुक्रवार, 22 फरवरी, 2019 / 3 फाल्गुन, 1940 (शक)   अंक–96

दिल्ली विधान सभा

सदन अपराह्न 2:00 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष महोदय (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए।

सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए :

1. श्री शरद कुमार
2. श्री पंकज पुष्कर
3. श्री पवन कुमार शर्मा
4. श्री अजेश यादव
5. श्री महेन्द्र गोयल
6. श्री सुखवीर सिंह दलाल
7. श्री ऋतुराज गोविन्द
8. श्रीमती बंदना कुमारी
9. श्री जितेन्द्र सिंह तोमर
10. श्री राजेश गुप्ता
11. श्री अखिलेश पति त्रिपाठी
12. श्री सोमदत्त
13. श्री आसिम अहमद खान
14. श्री विशेष रवि
15. श्री हजारी लाल चौहान
16. श्री शिव चरण गोयल
17. श्री गिरीश सोनी
18. श्री मनजिंदर सिंह सिरसा

19. श्री जरनैल सिंह
20. श्री राजेश ऋषि
21. श्री महेन्द्र यादव
22. श्री नरेश बाल्यान
23. श्री आदर्श शास्त्री
24. श्री गुलाब सिंह
25. सुश्री भावना गौड़
26. श्री सुरेन्द्र सिंह
27. श्री विजेन्द्र गर्ग
28. श्री मदन लाल
29. श्री सोमनाथ भारती
30. श्रीमती प्रमिला टोकस
31. श्री नरेश यादव
32. श्री प्रकाश
33. श्री अजय दत्त
35. श्री दिनेश मोहनिया
35. श्री सौरभ भारद्वाज
36. सरदार अवतार सिंह कालकाजी
37. श्री सही राम
38. श्री राजू धिंगान
39. श्री मनोज कुमार
40. श्री नितिन त्यागी
41. श्री ओमप्रकाश शर्मा
42. श्री एस.के. बग्गा
43. श्री अनिल कुमार बाजपेयी
44. मो. इशराक
45. श्री श्रीदत्त शर्मा
46. चौ. फतेह सिंह
47. श्री जगदीश प्रधान
48. श्री कपिल मिश्रा

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही[1]

सत्र–8 (भाग–01) शुक्रवार, 22 फरवरी, 2019 / 3 फाल्गुन, 1940 (शक) अंक–96

सदन अपराह्न 2.10 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत है आपको मालूम ही है कि ये यह बजट सत्र है। इसमें उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव और बजट पर चर्चा करने के दौरान आपको अपने विचार प्रकट करने का भरपूर मौका मिलेगा।

मेरा सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे शालीनता से और कम से कम समय में अपनी बात कहें और सदन का समय व्यर्थ न होने दें। सदन के समय का सदुपयोग करना हमारी प्राथमिकता है। अतः आप सब से मेरा पुनः निवेदन है कि सदन की कार्यवाही में नियमित रूप से तथा शालीनतापूर्वक भाग लें और कार्यवाही को सुचारू ढंग से चलाने में सहयोग दें।

---

1. www.delhiassembly.nic.in पर उपलब्ध।

शोक संवेदना

माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप सब जानते हैं कि दिनांक 14 फरवरी, 2019 को जम्मू–कश्मीर के पुलवामा में नेशनल हाइवे पर सी.आर.पी.एफ काफिले की बस पर आत्मघाती आतंकी हमले में 40 जवान शहीद हो गये। यह जम्मू कश्मीर में अब तक हुआ सबसे बड़ा आत्मघाती हमला है और पूरा देश इससे स्तब्ध है।

शहीद होने वाले जवानों में उत्तर प्रदेश से हैड कांस्टेबल श्री अवधेश कुमार यादव, कांस्टेबल श्री पंकज कुमार त्रिपाठी, कांस्टेबल श्री अमित कुमार, कांस्टेबल श्री विजय कुमार मौर्य, हैड कांस्टेबल श्री राम वकील, कांस्टेबल श्री प्रदीप कुमार, कांस्टेबल श्री रमेश यादव, कांस्टेबल श्री कौशल कुमार रावत, कांस्टेबल श्री प्रदीप सिंह, कांस्टेबल श्री श्याम बाबू, कांस्टेबल श्री अजीत कुमार आजाद, कांस्टेबल श्री महेश कुमार, राजस्थान से कांस्टेबल श्री जीत राम, कांस्टेबल श्री रोहताश लाम्बा, हैड कांस्टेबल श्री नारायण लाल गुर्जर, हैड कांस्टेबल श्री हेमराज मीणा, कांस्टेबल श्री भागीरथ सिंह, महाराष्ट्र से कांस्टेबल श्री नितिन शिवाजी, हैड कांस्टेबल श्री संजय राजपूत, उत्तराखंड से कांस्टेबल श्री विरेन्द्र सिंह, असिस्टेंट सब इंस्पैक्टर श्री मोहन, बिहार से कांस्टेबल श्री रतन कुमार ठाकुर, हैड कांस्टेबल श्री संजय कुमार सिन्हा, पंजाब से कांस्टेबल श्री कुलवंत सिंह, हैड कांस्टेबल श्री जयमल सिंह, कांस्टेबल श्री सुखजिन्दर सिंह, हैड कांस्टेबल श्री मनिंदर सिह अत्री, जम्मू कश्मीर से हैड कांस्टेबल श्री नसीर अहमद, हिमाचल प्रदेश से कांस्टेबल श्री तिलक राज, झारखंड से हैड कांस्टेबल श्री विजय सोरंग, केरल से कांस्टेबल

श्री वसंत कुमार वीवी, तमिलनाडु से कांस्टेबल श्री सुब्रमण्यम जी, कांस्टेबल श्री शिवाचन्द्रन सी, कर्नाटक से कांस्टेबल श्री गुरू एच, ओड़िशा से कांस्टेबल श्री मनोज कुमार बेहरा, हैड कांस्टेबल श्री पी.के.साहू, मध्यप्रदेश से कांस्टेबल श्री अश्विनी कुमार, पश्चिम बंगाल से कांस्टेबल श्री सुदीप विश्वास, हैड कांस्टेबल श्री बबलू, असम से हैड कांस्टेबल श्री मनेश्वर वासुमत्री सम्मिलित हैं। इस तरह इस हमले ने पूरे देश की आत्मा को झकझोर दिया।

यही नहीं, इस हमले के करीब 48 घंटे बाद ही दिनांक 16 फरवरी, 2019 को जम्मू–कश्मीर में राजौरी के नोशेरा सैक्टर में पाकिस्तान की बार्डर एक्शन टीम की मिसाइल आई.डी को निष्क्रिय करने के दौरान मेजर श्री चित्रेश बिष्ट शहीद हो गये।

गर्व की बात यह है कि भारतीय सेना, सी.आर.पी.एफ और स्थानीय पुलिस के संयुक्त आपरेशन के तहत पुलवामा हमले की साजिश रचने वाले आतंकवादी कामरान उर्फ राशिद गाजी समेत तीन आतंकवादियों को दिनांक 19 फरवरी, 2019 को मुठभेड़ में मार गिराया। लेकिन इस आपरेशन में सेना के मेजर श्री विभूति शंकर ढोंडियाल, हवलदार श्री सियाराम, सिपाही श्री हरि सिंह, सिपाही श्री अजय कुमार और जम्मू–कश्मीर पुलिस के सिपाही श्री अब्दुल रशीद शहीद हो गये।

पुलवामा में जिस कायरतापूर्ण ढंग से हमला हुआ, इसकी जितनी निंदा की जाये, उतनी कम है। वास्तव में यह घटना पूरे विश्व की मानवता पर हमला है। भारतीय सैनिकों का साहस और बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। वे देश की सुरक्षा के लिए अपनी जान की बाजी लगा देते हैं। देश नम

आंखों से शहीदों के बलिदान को याद कर रहा है। आतंकवाद से पूरे देश को मिलकर लड़ना है और संकट की इस घड़ी में सभी देशवासी एक हैं।

शहीद केवल एक व्यक्ति नहीं होता बल्कि उसके पीछे पूरे परिवार पर आपत्ति आ जाती है। किसी की मांग का सिंदूर छिन जाता है, किसी के सिर से पिता का साया उठ जाता है तो कोई वृद्धावस्था में भी अपने बेटे को कंधा देने के लिए विवश हो जाता है। जवानों की शहादत के साथ मेहंदी वाले हाथों ने मंगलसूत्र उतारे, बूढ़े मां–बाप का सहारा छिन गया, नन्हें मुन्ने बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया और बहन की राखी चली गई।

अब समय आ गया है कि हमें आतंकवादियों के प्रति नरम रवैया छोड़कर उनके साथ कठोरतापूर्वक व्यवहार करना होगा। आज ऐसी कार्रवाई करने की सख्त जरूरत है, जिसका असर धरातल पर दिखे।

मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ तथा प्रार्थना करता हूँ कि ईश्वर उनके परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। भाहीदों को श्रृद्वांजलि देने के लिये हम दो मिनट का मौन रखेंगे।

(सदन द्वारा दो मिनट का मौन धारण किया गया)

ओम शांति शांति।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः दो मिनट रुकिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं, देखिये परंपरा एक बनाई है कि सदन इस पर चर्चा नहीं, ये बड़ा मामला है।

माननीय सदस्यगण! ये अत्यधिक दुःख का विषय है कि दिनांक 12 फरवरी 2019 को दिल्ली के करोल बाग इलाके के रिहायशी क्षेत्र में स्थित एक होटल में अचानक आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गई। इस तरह की घटनाएँ वास्तव में मानवीय लापरवाही का नतीजा हैं। यह बताया गया है कि उक्त होटल में एक ही एग्जिट गेट था। इस कारण जलने और दम घुटने से लोग असामयिक मृत्यु का शिकार हो गये।

किसी भी होटल या फैक्टरी की स्थापना के समय सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखना चाहिए। व्यवसाय से पहले जीवन को सुरक्षित रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से मृतकों को श्रद्धांजलि देता हूँ तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उनके परिजनों को इस कष्ट को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

मैंने शहीदों के लिये इसलिये पहले अलग से किया है और ये दो मिनट का और एक बार हम इनके लिये मौन रखेंगे।

(सदन द्वारा दो मिनट का मौन धारण किया गया)

श्री विजेन्द्र गुप्ताः अध्यक्ष जी मौन तो आप बाद में भी रखवा दें।

माननीय अध्यक्षः ओम शांति शांति।

माननीय अध्यक्षः सचिव, विधान सभा उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण की हिन्दी तथा अंग्रेजी प्रति सदन पटल पर रखेंगे।

सचिव, विधान सभाः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से माननीय उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण की हिन्दी तथा अंग्रेजी प्रति सदन पटल पर प्रस्तुत करता हूँ।[2]

...(व्यवधान)

श्री ओमप्रकाश शर्माः एक तरफ आप पुलवामा की बात करते हैं। एक तरफ जब आप बात करते हैं...

माननीय अध्यक्षः ओमप्रकाश जी मैं ये प्रार्थना कर रहा हूँ कि सदन की परंपरा हमने रखी है और सहमति से रखी है सहमति से रखी गई थी इस पर सत्ता पक्ष या विपक्ष कोई इस पर...

...(व्यवधान)

मनजिंदर सिंह सिरसाः जम्मू कश्मीर पर एक बहुत बड़ा...

...(व्यवधान)

मनजिंदर सिंह सिरसाः हमारी भावनाएँ हैं। हम चाहते हैंकृ

...(व्यवधान)

---

2. www.delhiassembly.nic.in पर उपलब्ध।

माननीय अध्यक्षः नहीं भावनायें सारा देश प्रकट कर रहा है।

माननीय अध्यक्षः नहीं, भावनाएँ सारा देश प्रकट कर रहा है। मैं...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः ये उसी में...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः देखिए, सिरसा जी, सिरसा जी, मेरा ये कहना है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अब या तो मैं उनकी बात सुनूँ या आपकी सुनूँ। जिसकी भी सुननी है, बताइये? मेरा ये कहना है इसी सदन ने ये तय किया था...

...(व्यवधान)

श्री विजेन्द्र गुप्ताः सदन में अध्यक्ष जी कब तय हुआ ये? ऐसा कुछ तय...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं, बिल्कुल इसी सदन ने।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नितिन जी, बैठिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः बात सुनिए, नितिन जी, बैठिए प्लीज।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सुश्री राखी बिड़ला, श्री जगदीप सिंह जी कार्य मंत्रणा समिति का तृतीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मैं किसी को अलाउ नहीं कर रहा हूँ। मैं इस पर चर्चा ही नहीं चाह रहा।

...(व्यवधान)

सुश्री राखी बिड़लाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्य मंत्रणा समिति का तृतीय प्रतिवेदन सदन पटल पर प्रस्तुत करती हूँ।[3] धन्यवाद।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः देखिए मैं प्रार्थना कर रहा हूँ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं, मैं किसी को नहीं। मैं किसी को अलाउ नहीं कर रहा हूँ। मुझे मालूम है, मैं किसी को अलाउ नहीं कर रहा।

...(व्यवधान)

---

[3] पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर 20450 पर उपलब्ध।

माननीय अध्यक्षः न, मैं सत्ता पक्ष को नहीं कर रहा, आपको नहीं कर रहा।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं, श्रद्धांजलि दे दी हमने। मैंने सबकी ओर से श्रद्धांजलि दी है। मैं किसी पर चर्चा नहीं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः ऐसा है ओम प्रकाश जी...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सिरसा जी...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सिरसा जी, मेरी बात सुनें। मैं समझता हूँ इस चीज को लेकिन उनकी शहादत को, मुझे मालूम है किसने क्या बोलना है और उस शहादत को, उनकी शहादत को मैं राजनीति में नहीं घसीटना चाहता। बैठिए, बैठिए अब बैठिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः प्लीज बैठिए। मैं रिक्वेस्ट कर रहा हूँ। बैठिए, प्लीज।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मैं हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रहा हूँ, बैठिए प्लीज, प्लीज बैठिएँ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सिरसा जी, बैठिए प्लीज। प्लीज बैठिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अब श्री गोपाल राय जी, माननीय विकास मंत्री, उप राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर निम्नलिखित धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगेः

यह सदन दिनांक 22 फरवरी, 2019 को उप राज्यपाल महोदय द्वारा विधान सभा को दिए गए अभिभाषण के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ, माननीय गोपाल राय जी।

...(व्यवधान)

(विपक्ष के सभी सदस्य वैल में आए)

श्री ओम प्रकाश शर्माः मैं ये कहना चाह रहा हूँ सीएम साहब आप कृपया करके इस विषय पर कुछ बोलिए...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सिरसा जी, मैंने कब मना किया? मैंने कहा कि इस सदन की परम्परा जो हमने डाली है, मैं...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं।

...(व्यवधान)

श्री मनजिंदर सिंह सिरसाः परम्परा की जानकारी दे दें ना हमें।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः किस पर बोलेंगे?

...(व्यवधान)

माननीय उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा

श्री गोपाल राय(माननीय विकास मंत्री): अध्यक्ष महोदय, मैं उप राज्यपाल महोदय के अभिभाषण प्रस्ताव पर निम्नलिखित धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूँ कि यह सदन ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः आपको अपने, आपके भाषण के दौरान जो मर्जी आए, चर्चा करिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः आपके लगे हुए हैं। रूल में लगे हुए हैं। और नियम हैं, और बहुतेरे नियम हैं।

...(व्यवधान)

श्री गोपाल राय (माननीय विकास मंत्री): दिनांक 22 फरवरी, 2019 को उप राज्यपाल महोदय द्वारा विधान सभा को दिए गए भाषण...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं, प्लीज। भई प्लीज, मैं आपसे...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः देखिए श्रद्धांजलि के लिए, श्रद्धांजलि के लिए मैं आग्रह कर रहा हूँ...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः सिरसा जी, मैं आग्रह कर रहा हूँ माननीय मंत्री जी उप राज्यपाल भाषण...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः मैं बिल्कुल इसमें अलाउ नहीं कर रहा हूँ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः किसमें?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अभी मैंने श्रद्धांजलि दी है, उसमें सारे हाउस की श्रद्धांजलि है, सारे हाउस की श्रद्धांजलि है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः पूरे हाउस की श्रद्धांजलि है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं, क्यों नहीं है? पूरे हाउस की श्रद्धांजलि है। नहीं, इस पर मैं चर्चा अलाउ नहीं कर रहा।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः नहीं, हम नहीं कर रहे। बहुत बात आगे बढ़ जाएगी। बहुत बात...

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः हाँ, मैं बोल रहा हूँ। मैं बता रहा हूँ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः आप बैठिए, प्लीज बैठिए अब। बैठिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः अब प्लीज बैठिए, सिरसा जी, बैठिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्षः श्री अरविंद केजरीवाल जी, माननीय मुख्य मंत्री समितियों के लिए निर्वाचन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

...(व्यवधान)

वित्तीय समितियों के लिए निर्वाचन

माननीय मुख्य मंत्री (श्री अरविंद केजरीवाल): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूँ कि दिल्ली विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमों के नियम 192 के उप नियम (2), नियम 194 के उप नियम(2) और नियम 196 के उप नियम (2) के अनुसरण में इस सदन के सदस्य एक अप्रैल, 2019 से आरम्भ होने वाली कार्यावधि के लिए लोक लेखा समिति, प्राक्कलन समिति और सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए अपने में से 9–9 सदस्यों का निर्वाचन करने के लिए अग्रसर होते हैं।

माननीय अध्यक्षः यह प्रस्ताव सदन के सामने है;

जो इसके विरोध में हैं, वे न कहें;

(सदस्यों के हॉ कहने पर)

हॉ पक्ष जीता, हॉ पक्ष जीता।

प्रस्ताव पारित हुआ।

माननीय अध्यक्षः सदन की कार्यवाही मैं 23 फरवरी, 2019 तक के लिए स्थगित करूँ उससे पहले दोपहर के भोजन के लिए आप सभी सादर आमंत्रित है और भोजन के पश्चात तुरंत एलओपी होगा। हमारा हैंडीकैप्ट्स, जो कानून बदला है, पिछली बार एक बैठक हुई थी, उसमें हमारे सदस्य सम्मिलित नहीं हो सके थे। आज उसमें सभी सम्मिलित हों, मेरा ये आग्रह है। इसमें कोई जाए नहीं। लंच के बाद हम उसको आरम्भ करेंगे।

अब सदन की कार्यवाही शनिवार 23 फरवरी, 2019 को पूर्वाह्न 11.00 बजे... दुबारा दोहरा रहा हूँ 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है। धन्यवाद।

(माननीय अध्यक्ष के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही 23 फरवरी, 2019 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

...समाप्त...